वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 31 | मंगलवार 30 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दुर्गावाहिनी युवतियों ने लिया शस्त्र और शास्त्र का प्रशिक्षण

सात दिवसीय शिविर समापन की पूर्व संध्या पर निकाला शौर्य संचालन, 500 युवतियां हुई शामिल

जयपुर. कासं

विश्व हिंदू परिषद दुर्गा वाहिनी द्वारा सोमवार को जयपुर के अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर से शौर्य संचालन किया गया। संचालन में लगभग 500 दुर्गा वाहिनी प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। हाथों में धर्म ध्वजा लिए दुर्गावाहिनी आदर्श विद्या मंदिर से शाम 5:00 बजे कदमताल करते हुए निकली। शौर्य संचालन आदर्श विद्या मंदिर से निकलकर महर्षि अरविंद कॉलेज, बियानी कॉलेज के रास्ते, न्यूरो केयर हॉस्पिटल, ईडब्ल्यूएस कॉलोनी से वापस आदर्श विद्या मंदिर में आकर संपन्न हुआ। दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजक एडवोकेट मीनाक्षी पारीक ने बताया कि अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में दुर्गा वाहिनी द्वारा 23 मई से 30 मई तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। शिविर समापन की पूर्व संध्या पर दुर्गा वाहिनी द्वारा विद्याधर नगर की सड़कों पर शौर्य संचालन निकाला गया। जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने शौर्य का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि शिविर में जयपुर प्रांत के 25 जिलों से आई युवतियों ने हिस्सा लिया। विश्व हिंदू परिषद का आयाम है जिसमें हिंदू युवतियों को शस्त्र और शास्त्र

दोनों का प्रशिक्षण दिया जाता है। शस्त्र में इन्हें राइफल चलाना, दंड चलाना, बाधाओं को पार करना सिखाया जाता है। जरूरत पड़े तो काली का रूप धारण करना। शास्त्रों के ज्ञान के साथ के सर्वांगीण विकास के लिए युवतियों को तैयार किया जाता है। ताकि वे अग्रज होकर राष्ट्र और देश की सेवा कर सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम का 30 मई को समापन होगा। जिसमें बहनें अपने शौर्य का प्रदर्शन करेंगी।

विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह की वृक्षारोपण से शुरूआत

जयपुर. कासं

राजस्थान पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण केन्द्र, RECC जयपुर द्वारा आगामी 4 जून, को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में वर्ल्ड एनवायरमेंट डे समिट- 2023 का आयोजन किया जा रहा है। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण के साथ पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य स्तरीय समिट का आयोजन किया जाता है। संस्था के निदेशक वैभव भारद्वाज ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह 29 मई से 5 जून के तहत चलेगा जिसमें राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से वृक्षारोपण की शुरूआत की गई। इस अवसर पर कॉलेज के निदेशक प्रो. अनुज सिंह पूनिया, प्रधान अध्यापक बी के कर्मा, डॉ राजीव शर्मा, जगदीप कस्वां, कृष्णा बाहेती वैष्णवी गुप्ता ने कॉलेज परिसर में पीपल, अर्जुन, कंचनार तथा बरगद के पौधे लगाएं। इनके साथ कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया।

मौसम की मार: आंधी, तूफान-बारिश से 100 करोड़ का बिजली सिस्टम धराशायी, 500 गांवों में सप्लाई हुई ठप

सबसे ज्यादा नुकसान बारां, कोटा, झालावाड़ और पश्चिमी राजस्थान में हुआ है। प्रसारण निगम के भड़ला इलाके में हाइटेंशन लाइनों को ज्यादा नुकसान हुआ है।

जयपुर. कासं

प्रदेश में एक सप्ताह से चल रहे आंधी, तूफान व बारिश के दौर की वजह से जयपुर, जोधपुर, अजमेर वितरण निगम के साथ ही बिजली प्रसारण निगम का 100 करोड़ से ज्यादा का सिस्टम धराशायी हो गया है। इससे 500 से ज्यादा गांवों में बिजली सप्लाई बाधित है। बिजली लाइनें उखड़ गईं और पोल गिर गए। ट्रांसफार्मर डीपी से हट कर जमीन पर गिर गए। सबसे ज्यादा नुकसान बारां, कोटा, झालावाड़ और पश्चिमी राजस्थान में हुआ है। प्रसारण निगम के भड़ला इलाके में हाइटेंशन लाइनों को ज्यादा नुकसान हुआ है। बिजली सप्लाई ठप

होने की वजह से कर्मचारियों को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ा। जनता का आरोप है कि पिछले पांच साल में मेंटेनेंस व नया सिस्टम के नाम पर फर्जीवाड़ा हुआ है। इसकी जांच हो। वहीं निगमों के इंजीनियरों व टेक्निकल कर्मचारियों की टीमें बिजली सप्लाई बहाल करने में जुटी हैं। जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक आरएन कुमावत भी तीन दिन तक फील्ड में रहे। अजमेर डिस्कॉम व जोधपुर डिस्कॉम के एमडी भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। बिजली प्रसारण निगम के सीएमडी आशुतोष एटी पेडनेकर के आउट ऑफ स्टेशन होने के कारण तीन दिन में नुकसान का आंकलन भी नहीं किया गया। बिजली प्रसारण निगम के टेक्निकल डायरेक्टर नरेंद्र सुवालका का कहना है कि प्रसारण निगम के बिजली सिस्टम को नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। इसके लिए चीफ इंजीनियर (टीएंडसी) और चीफ इंजीनियर पीपीएम नुकसान के आंकलन को देख रहे हैं।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

67 विदुषी, 20 विद्वानों व 50 मंदिरों के श्रेष्ठ शिविरार्थियों का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल व संयुक्त महिला संभाग के तत्वावधान में संस्थान के 26 वर्षों की संपूर्ति के अवसर पर आयोजित 11 दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन एवं सम्मान समारोह भट्टारक जी की नसियां के तोतुका सभागार में आयोजित हुआ। होगा। आचार्यश्री 108 विद्यासागर जी महाराज के व निर्यापक श्रमण मुनिश्री 108 सुधासागर की प्रेरणा से आयोजित इस शिविर के समापन पर 67 विदुषियों सहित 20 विद्वानों एवं शिविर में श्रेष्ठ आने वाले बच्चों तथा जिनवाणी सजाने में श्रेष्ठ आने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। 50 स्थानों पर आयोजित इस शिविर में 3800 शिविरार्थियों ने धर्म का अध्ययन किया। श्रीसंत सुधासागर बालिका महाविद्यालय महाविद्यालय व छात्रावास अधिष्ठात्री श्रीमती शीला डोड्या ने बताया कि समारोह के शुभारंभ में व्रती श्राविका शिरोमणि सुशीला पाटनी,शांता पाटनी,तारिका पाटनी (आर के मार्बल) किशनगढ़, गौरवमयी अतिथि अमेरिका से आशा रानी

धर्मपत्नी राजेन्द्र पांडया समाजसेविका कांता बज,शिप्रा जैन,कांता सोगानी,महताब देवी मुशरफ,आशा लुहाड़िया,सुमन सोगानी, संतोष पाटनी एवं डॉ रवि लता जैन आदि अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन व मंगलाचरण से किया। इसके बाद संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय एवं छात्रावास की अधिष्ठात्री शीला डोड्या ने स्वागत उदबोधन दिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात पूरे देश में आयोजित 1500 शिविरों के मुख्य संयोजक उत्तम कुमार पाटनी का सम्मान किया गया। इस मौके पर सुशीला पाटनी ने अपने उदबोधन में धर्म प्रभावना बढ़ाने हेतु लगाएं गए शिक्षण शिविरों के लिए श्रमण संस्कृति संस्थान, महिला महासमिति एवं संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय के पदाधिकारियों एवं प्रबंधकारिणी समिति की प्रशंसा करते हुए सभी विदुषियों एवं विद्वानों को उनकी सेवाओं के लिए साधुवाद दिया। मुख्य संयोजक उत्तम चन्द पाटनी व महिला महासमिति राजस्थान अंचल की शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि जयपुर शहर के 50 मंदिरों सहित पूरे प्रदेश के विभिन्न शहरों के दिगम्बर जैन मंदिरों में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से धर्म का प्रचार प्रसार किया गया। पहली बार इन शिक्षण शिविरों में संत सुधासागर बालिका महाविद्यालय की विदुषियों द्वारा बच्चों, युवाओं,महिलाओं एवं पुरुषों सहित हजारों श्रावकों को अध्ययन एवं ज्ञान के माध्यम से संस्कारित किया गया। इस मौके पर

प्रतिभागियों की ओर से सजी जिनवाणी की प्रदर्शनी भी सजाई गई। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल की परामर्शक डॉ.वंदना जैन ने बताया कि शिविर के लिए मंजू जैन, नीता जैन,कांता जैन,नीना गदिया, तारामणि जैन, आशा अग्रवाल, अंजना जैन, मैना जैन, रचना बाकलीवाल, किरण जैन,चंदा सेठी ने संयोजक के रूप में अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा शिविर में 52 स्थानीय विद्वानों ने कक्षाओं के माध्यम से धर्म का प्रचार-प्रसार किया। इन सभी विद्वानों व 200 संयोजकों का भी भी सम्मान किया गया। 7 शिक्षार्थी रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानितः प्रत्येक मंदिर से प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले श्रावकों की पुनः परीक्षा ली गई, जिसमें प्रथम आने वाले 7 शिक्षार्थियों को पण्डित रतन लाल बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिनमें है मौखिक में मीरा मार्ग जैन मंदिर से अयांश जैन, लिखित परीक्षा भाग प्रथम में रक्षिता जैन चित्रकूट, भाग -द्वितीय में प्रेक्षी जैन कीर्ति नगर, भाग -तृतीय में तनीशा जैन जौहरी बाजार, छहढाला में शुभा जैन गायत्री नगर , इष्टोपदेश में वषार्रानी जैन जनकपुरी व तत्त्वार्थसूत्र में गौरव जैन मालवीय नगर को 2100रू- रुपए की राशि एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। जिनवाणी सजाओ के विजेता भी पुरस्कृतः इस मौके पर जिनवाणी सजाओं प्रतियोगिता के निर्णायक दीपिका जैन कोटखावदा एवं नीतू जैन मुल्तान द्वारा की गई घोषणा के आधार पर अपने घरों से जिनवाणी सजाकर लाने वाले 10 श्रेष्ठ श्रावकों को जिनवाणी पुरस्कार डॉ रवि लता जैन की ओर से दिए गए।

ये गणमान्य लोग रहे मौजूद

इस मौके पर श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी के पूर्व अध्यक्ष एन के सेठी, समाज श्रेष्ठी नन्द किशोर पहाड़िया,ज्ञान चंद झांझरी, उत्तम कुमार पाण्डया,डॉ.शीतल प्रसाद जैन, श्रीमहावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के मानद सचिव सुनील बख्शी, श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के सहमंत्री दर्शन जैन, शैलेन्द्र गोधा, विनोद जैन कोटखावदा, भारतभूषण जैन, श्रीसंत सुधासागर बालिका महाविद्यालय महाविद्यालय व छात्रावास की उपाध्यक्षा नीना पहाड़िया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। **मंच संचालन शालिनी बाकलीवाल ने किया।**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों की श्रंखला में आनंदम शिविर आयोजित

योग शिविर में सदा मुस्कुराने की चाबी भी दी गुरु ढाकाराम ने

जयपुर. शाबाश इंडिया

विख्यात योग गुरु योगाचार्य ढाकाराम के सानिध्य में रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन एवं योगा पीस संस्थान के संयुक्त तत्वाधान व अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर एवं नगर निगम जयपुर ग्रेटर के सहयोग से महावीर स्कूल सी स्कीम में आनंदम योग शिविर संपन्न हुआ। कार्यक्रम चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि शिविर का उद्घाटन योग गुरु ढाकाराम, मुख्य अतिथि उप पुलिस आयुक्त यातायात प्रहलाद कृष्णिया, विशिष्ट अतिथि विशेषाधिकारी, आयुष विभाग, राजस्थान सरकार डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा, मुख्य समन्वयक योगी मनीष विजयवर्गीय, रोटरी क्लब सिटीजन के अध्यक्ष रविंद्र नाथ गुप्ता, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर के महासचिव संजय पाबूवाल, रोटेरियन प्रमोद जैन एवं महावीर स्कूल शिक्षा समिति के सचिव सुनील बक्शी ने किया। योगाचार्य ढाकाराम ने शरीर के लिए योगाभ्यास मन के लिए प्राणायाम आध्यात्मिक उन्नति एवं आत्मिक कल्याण के लिए ध्यान के अभ्यास करवाने के साथ सदैव मुस्कुराने की चाबी के रूप में सूत्र दिया कि बनाने वाले ने सभी को विशेष बनाया है, अपनी योग्यताओं उपलब्धियों एवं विशेषताओं को याद करते हुवे अनमोल जीवन के प्रति कृतज्ञ भाव से सदैव खुश रहे मुस्कुराते रहे। मुख्य समन्वयक योगापीस संस्थान के योग निदेशक योगी मनीष भाई विजयर्गीय ने बताया कि भारत सरकार आयुष मंत्रालय एवं मोरारजी देसाई योग संस्थान दिल्ली की प्रेरणा से आगामी 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उल्टी गिनती कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत योग के प्रति जन जागरूकता के लिए योगा पीस संस्थान के तहत विभिन्न सामाजिक एवं सेवाभावी संगठनों के साथ मिलकर आनंदम शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर आयोजन व्यवस्थाओं में सहयोगी एवं सम्मिलित हो लाभ उठाने वाले योग प्रेमियों को धन्यवाद देते हुए शिविर चेयरमैन सुधीर गोधा जैन ने कहा कि आज की भागती दौड़ती जिंदगी में आमजन में शारीरिक रोगों के साथ अत्यधिक तनाव महसूस किया जाता है इससे राहत के लिए हमने सभी के सहयोग से शिविर आयोजित किया। कार्यक्रम की सफलता के सूत्र धार समन्वयक रोटेरियन अजय अग्रवाल, एमएल सोनी, डॉक्टर लक्ष्मी कांत गोयल थे।

दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग द्वारा परिंडे लगाए गए

जयपुर. शाबाश इंडिया। इस भीषण गर्मी में प्यास बुझाने हेतु बेजुबान पक्षी इधर उधर पानी की तलाश हेतु घूमते रहते हैं या फिर पानी के अभाव में अकाल दम तोड़ देते हैं इन बेजुबान पक्षियों हेतू दिनाँक 29 मई 2023 सोमवार को प्रातः 8.30 बजे महाराणा प्रताप पार्क ,हरिमार्ग,मालवीय नगर में परिंडे लगाये गये अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि सर्वप्रथम मंत्री विजय कासलीवाल द्वारा सभी पधारे महानुभावों को राजस्थान अंचल से संबंधित कार्यक्रमों को जोर शोर से प्रसारित कर नए कीर्तिमान स्थापित हो ऐसी शपथ दिलवाई गई । राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार पाटनी एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन का स्वागत शिरोमणि संरक्षक ,पूर्व अध्यक्ष उत्तम कुमार-सरोज पांड्या द्वारा किया गया सभी राष्ट्रीय, आंचलिक व अन्य पदाधिकारीयों का स्वागत अध्यक्ष अजीत-शकुन बड़जात्या, मंत्री विजय-पुष्पा कासलीवाल, कोषाध्यक्ष अरुण-मंजू काला द्वारा दुपट्टा एवं माल्यार्पण कर किया गया अपने उदबोधन में महेंद्र कुमार जी पाटनी ने इस तरह के कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा भविष्य में भी ऐसे समाज सेवा/जीव दया के कार्यक्रमों को करने के लिए प्रेरित किया । सभी उपस्थित लोगों ने परिण्डे लगाए कार्यक्रम में महेंद्र कुमार पाटनी राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्याध्यक्ष, दिगम्बर जैन महासमिति, नवीन सेन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, डॉ राजेन्द्र कुमार जैन राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री,श्री उत्तम कुमार -सरोज पांड्या शिरोमणि संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष राजस्थान अंचल,डॉ णमोकार जैन अंचल कार्याध्यक्ष, श्री महावीर बाकलीवाल महामंत्री,राजेश बड़जात्याअध्यक्ष दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन-राजस्थान रीजन ,भागचन्द जैन मंत्री राजस्थान अंचल,रामपाल जैन संभागीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कोणार्क काला संभागीय युवाप्रकोष्ठ मंत्री,रंजना बोहरा धार्मिक मंत्री,जितेन्द्र निगोतिया आंचलिक प्रतिनिधि,कार्यकारिणी सदस्य-निर्मल जैन ,मुकेश बागायत,सुरेश काला,नरेंद्र कुमार जैन तथा संरक्षक सतीश-नीलू काला एवं पदम चंद जैन एवं राजेन्द्र कुमार जैन ,विशिष्ट सदस्य ओमप्रकाश जैन,किरण जैन,शकुन बड़जात्या, पुष्पा कासलीवाल साथ ही इकाई अध्यक्ष सुज्योति प्रकाश जैन,सचिव विकास समिति महेंद्र नागपाल ,कार्यक्रम में कर्मठ सहयोगी रमेश पहाड़िया तथा अन्य स्थानीय वासियों ने गरिमामयी उपस्थिति दे कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

वेद ज्ञान

योग्यता का अर्थ त्याग

मूल्यांकन की इच्छा मानव में निरंतर उपजती रहती है। अनजान व्यक्ति से मिलने पर क्षणभर में पूर्ण जीवनकथा जानने की छटपटाहट बड़ा संकट उत्पन्न करती है। सामने वाले को तत्काल प्रभाव में लेने की शीघ्रता समस्या बढ़ाती है। किसी से पलक झपकते ही सर्वस्व ज्ञात करने का सूत्र अभी तक ज्ञात नहीं है। जिसे जिस क्षेत्र का कोई ज्ञान नहीं रहता वह उसी क्षेत्र का यक्ष प्रश्न करता है। शिक्षा संस्थाओं में विषय अनिवार्यता के अलावा अनेक क्षेत्र में धनोपार्जन करने के लिए नए-नए मार्ग खोजे गए हैं। परिश्रमी की भीड़ से अलग सफलता का सार्थक मानदंड खोजने वाले नियम परिवर्तन में विश्वास रखते हैं। समान योग्यता वालों में किसी को सेवा का अवसर मिलने पर ऊंचाई का शिखर मिलते देर नहीं नहीं लगती। द्वार से भगाए गए तुलसी की भांति गुरु नरहरिदास की खोज में जीवन गुजर जाता है। वरदानदाता के लिए पैर पकड़कर पीछे खींचने वाले भस्मासुर बन जाते हैं। अपनी सीमा से अधिक कोई पचाना नहीं जानता। समय की आंच में तपकर निखरना सामान्य व्यक्ति के बस की बात नहीं है। पग-पग पर प्रतिकूलता से जूझने वाले लोहा लेते-लेते पारस पत्थर बन जाते हैं। कोयला अधिक ताप के दबाव में हीरा बनकर गौरवान्वित होता है। संकट सहते-सहते सामान्य मनुष्य महापुरुष बन जाता है। प्रशंसा का प्रोत्साहन कृतज्ञता बढ़ाता है। कृतज्ञता योग्यता पहचानने का तत्व है। उगते सूर्य को सभी प्रणाम करते हैं, पर अस्ताचल में जाते सूर्य को छठ पर्व में ही अर्घ्य चढ़ता है। पद का संबंध योग्यता से है। योग्य के स्थान पर अयोग्य को पद थोपकर योग्यता बढ़ाई जाती है। पद को भगवान बनाने के कारण अहंकार में वृद्धि होती है। प्रयास के बगैर प्राप्त फल अकर्मण्यता का पोषक है। अयोग्यता स्वयं से श्रेष्ठ को नकारती है। हाथी की पग-पग पर पूजा ही श्वान का दुख बढ़ाती है। दुर्जन सज्जनता को कायरता मानते हैं। सज्जन निश्छल परिश्रम में जीते हैं। प्रश्न पर अतार्किक प्रश्न करना मूर्खता का प्रतीक है। हर बात में प्रश्न अर्थ का अनर्थ करता है। भरत चित्रकूट में कहते हैं, योग्यता के अनुसार मुझे शिक्षा दी जाए। योग्यता का अर्थ धन, पद नहीं, बल्कि त्याग है। औषधि की चर्चा नहीं, बल्कि औषधि रोगी के लिए उपयोगी है। प्रतिकूलता में अस्तित्व बचाने वालों को स्वयं की तुलना करके उनके भगीरथ प्रयास को बौना बनाया जाता है।

संपादकीय

भरोसे का अभाव मणिपुर में हिंसा की बड़ी वजह

मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। कुछ दिनों पहले इंफाल में कुछ दुकानें जला दी गईं। अब सीमावर्ती जिलों विष्णुपुर और चुराचांदपुर में हिंसा भड़की है, जिसमें एक व्यक्ति मारा गया। केंद्रीय गृहमंत्री को शांति की अपील करनी पड़ी है। करीब पखवाड़ा भर पहले वहां हिंसा भड़की थी तो भारी पैमाने पर सेना तैनात करनी पड़ी थी। दस हजार के आसपास लोगों को हिंसाग्रस्त इलाकों से बाहर निकाल कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाना पड़ा था। उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दे दिया गया। उसके बाद लगभग दस दिन तक वहां हिंसा रुकी रही। मगर इस हफ्ते फिर से उपद्रव शुरू हो गया। दरअसल, वहां के जनजातीय लोगों में यह भरोसा पैदा नहीं हो पा रहा कि सरकार उनके हितों की रक्षा को प्रतिबद्ध है। ऐसे में केंद्रीय गृहमंत्री की अपील का उन पर कितना असर पड़ेगा, कहना मुश्किल है। जबसे वहां नई सरकार आई है, तभी से कुकी और नगा समुदाय के लोगों को लगने लगा है कि वह

उनके हक छीनना चाहती है। फरवरी में वहां के पहाड़ी इलाकों से तथाकथित बाहरी लोगों को हटाने का अभियान शुरू किया गया, तभी इन समुदायों के लोगों में रोष पैदा हो गया था। जनजातीय लोगों की नाराजगी तब और बढ़ गई जब वहां के उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि उसे मैतेई समुदाय के लोगों को जनजाति का दर्जा देने की दस साल पुरानी मांग पर विचार करना चाहिए। इससे नगा और कुकी समुदाय के लोगों को लगने लगा है कि राज्य सरकार मैतेई समुदाय के लोगों को जनजाति का दर्जा देकर उनके हकों पर डाका डालने का षड्यंत्र कर रही है। उनकी इस धारणा को बदलने की जैसी कोशिश होनी चाहिए, वैसी दिख भी नहीं रही, इसलिए भी उनमें भरोसा नहीं पैदा हो पा रहा है कि उनके अधिकार सुरक्षित रहेंगे। मणिपुर में मुख्य रूप से तीन समुदाय के लोग रहते हैं। उनमें से कुकी और नगा को जनजाति का दर्जा प्राप्त है और राज्य के पहाड़ी भूभाग को उनके लिए संरक्षित रखा गया है। यानी उन इलाकों में गैर-जनजातीय लोग जमीन-जायदाद नहीं खरीद सकते। इस तरह मैतेई समुदाय लोग केवल इंफल घाटी तक सिमटे हुए हैं। जबकि जनसंख्या के आधार पर इस समुदाय के लोग कुल आबादी के पचास फीसद से अधिक हैं। अगर उन्हें जनजाति का दर्जा मिल जाता है, तो कुकी और नगा समुदाय के लिए संरक्षित भूभाग में भी उनका प्रवेश संभव हो सकेगा। मणिपुर में मैतेई समुदाय का राजनीतिक वर्चस्व है। वहां की साठ में से चालीस विधानसभा सीटों पर इसी समुदाय के लोग काबिज हैं। कारोबार और दूसरे क्षेत्रों में भी उन्हीं का दबदबा है। इसलिए नगा और कुकी समुदाय को हमेशा यह आशंका बनी रहती है कि अगर इन लोगों को पहाड़ी क्षेत्रों में भी प्रवेश का हक मिल गया, तो ये उनको विस्थापित कर देंगे। राज्य सरकार ने उनकी इस आशंका को दूर करने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया। जब फरवरी में उनमें रोष देखा गया था, तभी कोई व्यावहारिक कदम उठाया जाता तो शायद आज यह नौबत न आने पाती कि मणिपुर में शांति बहाली के लिए बंदूक का सहारा लेना पड़ता। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

एक नया विवाद

देशभर में आबादी बढ़ने के साथ खाने-पीने की चीजों की मांग में बढ़ोतरी स्वाभाविक है। लेकिन यह समस्या तब बढ़ने लगती है जब मांग के अनुपात में जरूरत की किसी चीज के उत्पादन में कमी होने लगे या उसकी आपूर्ति करने में मुश्किल पेश आने लगे। ज्यादातर लोगों के लिए रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों में दूध जरूरी हिस्सा है। निजी विक्रेताओं से लेकर संगठित रूप से सहकारी डेयरियों तक के माध्यम से होने वाली दूध की बिक्री के पीछे एक समूचा तंत्र काम करता है। लेकिन यह पक्ष भी है कि जैसे-जैसे दूध की मांग बढ़ती गई है, उसकी आपूर्ति के लिए नए स्रोतों की तलाश होने लगी है। इसी क्रम में 'अमूल' ने भी अलग-अलग राज्यों में अपनी खरीद-बिक्री के तंत्र का विस्तार करना शुरू किया है। पर इसके साथ ही देश भर में दूध के बाजार में खड़े होते नए समीकरणों के समांतर स्थानीय जरूरतों को पूरा करने का सवाल अब एक तरह के विवाद की शक्ल लेता जा रहा है। पहले दूध की खरीद-बिक्री में खड़ी होने वाली नई परिस्थितियां कर्नाटक चुनाव में एक मुद्दा बनीं और अब तमिलनाडु में भी इस मसले पर खींचतान शुरू हो गई है। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिख कर मांग की है कि अमूल को राज्य में दूध खरीदने से रोका जाए। इसके पीछे उनकी दलील है कि तमिलनाडु सहकारी दुग्ध कंपनी ह्यआविनह्व का क्षेत्र है और यहां अमूल की ओर से बड़े पैमाने पर दूध की खरीद करना सही नहीं है; अगर अमूल को रोका नहीं गया तो इससे राज्य की सहकारी संस्था आविन को नुकसान होगा, जो यहां 1981 से काम कर रही है। हालांकि अमूल अब भी अपने अलग-अलग उत्पाद तमिलनाडु में कई दुकानों के जरिए बेच रहा था, लेकिन उसकी एक सहायक संस्था ने कृष्णगिरी जिले में एक प्रसंस्करण संयंत्र लगाया है और इसके लिए बड़े पैमाने पर कई इलाकों से दूध की खरीद की जाने की खबरें हैं। इस मसले पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का कहना है कि भारत में यह नियम रहा है कि एक-दूसरे के क्षेत्र में दखल दिए बिना सहकारी समितियां काम करें। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह 'आपरेशन वाइट फ्लड' की भावना के खिलाफ है, जिसकी शुरूआत ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए की गई थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश भर में क्षेत्रीय सहकारी संस्थाएं सभी राज्यों में डेयरी विकास के लिए महत्त्वपूर्ण रही हैं। लेकिन अमूल के विस्तार को इस रूप में देखा जा रहा है कि इससे इस क्षेत्र में गैरजरूरी प्रतियोगिता शुरू हो जाएगी और इसके असर से दूध की कमी जैसे हालात भी पैदा हो सकते हैं। कुछ समय पहले कर्नाटक में भी विवाद की स्थिति शुरू हो गई थी, जब अमूल ने वहां अपने प्रवेश का संकेत दिया था। वहां भी स्थानीय स्तर पर दुग्ध उत्पादन करने वाली कंपनी ह्यनंदिनीह्व की स्थिति पर इसका असर पड़ने की आशंका के मद्देनजर खींचतान चली थी। अमूल के विस्तार के विरोध के बीच यह तर्क भी दिया जा रहा है कि स्थानीय दुग्ध उत्पादन समितियों की वजह से लोगों को उचित और नियंत्रित कीमत पर दूध मिल रहा है। यह छिपा नहीं है कि दूध की बढ़ती कीमतें अब बहुत सारे लोगों की पहुंच से दूर होने लगी हैं। इस लिहाज से देखें तो दूध को लेकर बढ़ते विवाद के बीच यह देखने की बात होगी कि इसका असर आने वाले दिनों में दूध की कीमतों पर क्या पड़ेगा।

ब्यावर महेश जयंती पर शोभा यात्रा का स्वागत किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महेश जयंती के उपलक्ष में सोमवार को महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के तत्वाधान में विशाल शोभा यात्रा का भव्य स्वागत पुष्प वर्षा से किया गया। स्वागत हेतु एक स्वागत द्वार भी बनवाया गया। स्वागत कार्यक्रम में वीर सुनील सिंहल,वीर अमित बंसल, वीर राजेश मुरारका,वीर सुधीर जेथलिया, वीर पुलकित सिंघल, वीर राजेश मंत्री, वीर विजय बोहरा वीर सतीश दत्तवानी, वीर महेंद्र राका, वीर योगेश बंसल ,वीर राज कुमार गोयल, वीर अमित भुतडा, वीर सुनील जिंदल, वीर पंकज सारड़ा, वीर निखिल महेश्वरी, वीर शैलेंद्र गुप्ता, वीर अंकुर सर्राफ, वीर लव नामा, वीर राजेश भूतड़ा,वीर विष्णु सिंहल सहित आदि सदस्य उपस्थित थे। संस्था के सदस्य वीर राजेश मंत्री,वीर निखिल महेश्वरी वीर अमित भुतडा, वीर पंकज सारड़ा,वीर राजेश भूतड़ा आदि सदस्यों का भी स्वागत किया गया।

अमृत कौर चिकित्सालय में कुलर भेंट

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल युवा ब्यावर केंद्र के तत्वावधान में राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में एक कूलर सप्रेम भेंट किया गया।कार्यक्रम के दौरान वीर अमित बंसल, एडवोकेट वीर विजय परीख,वीर निखिल जिंदल,वीर राकेश बिनायकिया, वीर पुलकित सिंघल, वीर सुनील जिंदल, वीर पंकज सारडा,वीर विष्णु सिंहल, वीर सतीश दतवानी, पी एम ओ डॉ सुरेंद्र सिंह चौहान, डॉ संजय के सिंह, डॉ नाथूलाल मेहरड़ा, नर्सिंग स्टाफ के महेंद्र चौहान,सुरेंद्र चौहान, अभिषेक चौहान मौजूद थे। यह कूलर राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय ब्यावर, के फीमेल सर्जिकल वार्ड जहां पर ऑपरेशन किए हुए महिला मरीजों को ऑपरेशन के पश्चात केयर के लिए रखा जाता है, वहां पर उपयोग में लिया जाएगा।

वित मंत्री को दिया ज्ञापन

जीएसटी विसंगतियों तथा सत्यापन से संबधित जटिलताओं के बारे में बताया

जयपुर. शाबाश इंडिया। एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स, राजस्थान इकाई ने जीएसटी विसंगतियों तथा सत्यापन से संबधित जटिलताओं के बारे में भेजा केंद्रीय वित्तमंत्री तथा राजस्थान के मुख्य मंत्री को ज्ञापन। एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स के राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष एडवोकेट विनोद पाटनी तथा प्रांतीय महा सचिव एडवोकेट उमराव सिंह यादव ने जीएसटी विभाग द्वारा धारा 65 में ऑडिट के लिए प्राप्त शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए धारा 73 की बजाय धारा 74 में ही सभी को दिए जा रहे नोटिस को गलत बताते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ईमेल के जरिए ज्ञापन भेजा साथ ही राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोरा, सीजीएसटी के मुख्य आयुक्त तथा एसजीएसटी के मुख्य आयुक्त को भी ज्ञापन सौंपा। विनोद पाटनी एवम उमराव सिंह यादव ने आगे बताया कि इस ज्ञापन में विभाग द्वारा सत्यापन हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान में विभाग द्वारा अपनाए जा रहे तरीकों का विरोध जताया है।उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा उन सभी व्यापारियों को नोटिस दिए जा रहें हैं जिनका मोबाइल नंबर तथा ईमेल आईडी उनके टैक्स कंसल्टेंट्स के हैं।यदि किसी भी कारण से उनमें से कोई एक व्यापारी का सत्यापन भी नहीं हो पाती है तो उन सभी निर्दोष व्यापारियों के यहां भी जांच हेतु पहुंच रहे जिनके रजिस्ट्रेशन में उस टैक्स कंसल्टेंट के नंबर या मेल आईडी है।इस वजह निर्दोष व्यापारी भी परेशानी झेल रहे हैं। इसके अतिरिक्त टैक्स पेयर्स के लिए बीमा, टैक्स प्रोफेशनल्स के लिए सुरक्षा तथा जीआरसी में एसोसिएशन के प्रतिनिधित्व की मांग भी इस ज्ञापन में की है।उक्त ज्ञापन एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार श्रीवास्तव तथा। राष्ट्रीय महा सचिव पराग सिंहल से विचार विमर्श कर भेजा गया जिसके माध्यम से राजस्थान के उपाध्यक्ष गणेश शर्मा, राम चंद्र यादव,विष्णु भारद्वाज, पवन गौतम, नरेंद्र शर्मा तथा सचिन जैन आदि सभी सदस्यों ने भी अपना विरोध जताया।

योगा आत्म चेतना, शक्ति एवं स्वयं को जागृत करता है: योग ऋषि स्वामी रामदेव

योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर में के समापन पर जिलेभर से उमड़े हजारों योग प्रेमी। आदित्य विहार, तेरापंथ नगर में हुआ था तीन दिवसीय शिविर का आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। योग ऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि योग एक विज्ञान है। आत्म चेतना, आत्मशक्ति एवं स्वयं को जागृत करता है। योग सभी प्रकार के ज्ञान का मूल है। हमने देश में स्वदेशी की एक बहुत बड़ी जागृति पैदा की है। इसी कारण भारतीय लोगों ने विदेशी प्रोडक्ट के बजाय अपने देश में बने प्रोडक्ट को खरीदना ज्यादा उचित समझा है। देश में आयुर्वेद के महत्व को हम लगातार दर्शा व पहुंचा रहे हैं। योग प्राणायाम के माध्यम से करोड़ों लोग निरोगी हो रहे हैं। मेरा सपना है कि देश से गरीबी दूर हो। लोग आयुर्वेदिक उत्पाद व स्वदेशी अपनाकर देश की इकोनॉमी बढ़ाएं। स्वामी रामदेव सोमवार अलसुबह आदित्य विहार हनुमान टेकरी के पीछे तेरापंथ नगर में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, पतंजलि योग समिति, युवा भारत, महिला पतंजलि योग समिति, पतंजलि किसान सेवा समिति के संयोजन एवं भारत विकास परिषद, हार्टफुलनेस, जीतो, जनहित योग एवं स्वास्थ्य प्रचार समिति के आयोजन में त्रिदिवसीय योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर के समापन पर हजारों लोगों को योग का अभ्यास कराते हुए संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सूर्योदय के बाद पुरुष खुले वस्त्रों में व महिलाएं पतले वस्त्रों में धूप में बैठे। एक घंटा ऐसे करने से विटामिन डी की कमी दूर होगी और प्रोटीन सहित अन्य आवश्यक तत्वों की प्राप्ति होकर शरीर भी निरोगी बनेगा। गौ माता की नियमित सेवा करें। गाय से प्राप्त हर वस्तु का नियमित उपयोग करें। जीवन में हमेशा अच्छे कार्य करें। योग उपासना को हमारी दिनचर्या में शामिल करें। योग करेंगे तो जीवन में रोग के लिए जगह नहीं रहेगी। धूप के बजाय योग से पसीना बहाओ इससे निरोगता प्राप्त होगी। प्रत्येक व्यक्ति अखंड साधना करें, भगवान की भक्ति करें व पुरुषार्थ करें, इसी से जीवन स्वर्ग बनेगा। शरीर से हर हाल में मोटापा आलस्य एवं चटोरेपन को दूर करें। उन्होंने कहा कि योगासन एवं प्राणायाम से हमें कई रोगों से मुक्ति मिलती है।

जेएसजी सिद्धा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी सिद्धा का शपथ ग्रहण समारोह गीतांजलि बैंक्विट हॉल 200 फीट बाईपास अजमेर रोड पर संपन्न हुआ। संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार सीमा पाटनी एवं निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल तारा पांड्या ने बताया कि अध्यक्ष दिनेश नीलम काला एवं मंत्री अंजन आकांक्षा जैन, उपाध्यक्ष सौरभ रतीका गोधा, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र कविता काला, सह सचिव सुरेंद्र संगीता छाबड़ा, मनोज मनीषा सोगानी, राकेश अचला रावका, मुकेश मनीषा दोषी, संजय सुनीता काला, ज्ञान सपना जैन, मनीष सोनिया जैन, अभिषेक चित्र जैन को जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के संस्थापक अध्यक्ष राकेश- रेखा जैन जेएसजीआईएफ के सचिव महेंद्र मीनू गिरधरवाल नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेंद्र मंजू सिंघवी एवं सचिव सिद्धार्थ वर्षा जैन द्वारा भव्य समारोह में शपथ दिलाई गई। समारोह की शुरूआत मंगलाचरण दीप प्रज्वलन से हुई। उसके बाद रंगारंग शपथ समारोह बिग स्क्रीन पर फुल डीजे मस्ती के संग रोमांचक एवं अविस्मरणीय पलों का आनंद लिए एवं साक्षी बने सिद्धा परिवार के सभी दंपत्ति सदस्य। कार्यक्रम में सम्माननीय अतिथि विक्रम प्रियंका अग्रवाल नरेंद्र शारदा जैन निखार प्रवीण व्रतिका पाटनी राकेश नीलू गोधा दीक्षांत हाडा का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के संयोजको ने।

जरूरतमंद परिवार को कन्यादान के लिए आर्थिक सहयोग दिया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी जेएसजी मेन उदयपुर द्वारा एक जरूरतमंद परिवार को कन्या दान करने हेतु कन्या की मां को आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। कन्या के विवाह के उपलक्ष्य मे 5 साड़ी,पेन्ट-शर्ट,पगड़ी, डबल बेडशीट,चांदी की पायल व बिछियाँ , 2100/- रू नकद के साथ ही 20 केजी शक्कर, 10 केजी चना दाल, व 15 केजी तेल का टीन भी प्रदान किया गया। यह सेवा कार्य ग्रुप की संरक्षिका एवं समाजसेवी श्रीमती शंभू देवी चपलोत के सौजन्य से किया गया। संगिनी मेन की ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम में शंभू देवी चपलोत के साथ संस्थापक अध्यक्ष शकुंतला पोरवाल,सचिव स्नेहलता पोरवाल, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी कोठारी व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निर्मल जैन ने दी नितिन गडकरी को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के मंत्री नितिन गडकरी को नई दिल्ली स्थित उनके निवास पर निर्मल जैन सोगानी सदस्य रोड़ सेफ्टी द्वारा जन्मदिन की बधाई दी गई तथा इस अवसर पर उन्हें अब तक का किए गए कार्य का विवरण भी पेश किया ।

योग करने से तन-मन स्वस्थ रहता है : सीपी जोशी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने स्वामी रामदेव के संग योग किया। 31 मई को अजमेर में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की विशाल आमसभा में आमजन को आने का न्यौता दिया

भीलवाड़ा. कासं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने सोमवार को आदित्य विहार में आयोजित योग शिविर में अंतरराष्ट्रीय योग गुरु स्वामी रामदेव के संग लगभग एक घंटे से अधिक विभिन्न तरह के योग प्राणायाम किए इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली साथ रहे। जोशी ने प्राणायाम किया। भाजपा जिला प्रवक्ता कैलाश सोनी ने बताया की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी 31 मई को अजमेर में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को लेकर कल रात्रि को भीलवाड़ा आए थे यहां पर भाजपा जिला कार्यालय में जनप्रतिनिधि पदाधिकारी कार्यकर्ताओं की जिला बैठक ली जिसमें सभी से अपील की कि विशाल संख्या में प्रधानमंत्री की जनसभा में पहुंचना है और इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाना है इसके पश्चात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी रात्रि विश्राम भाजपा कार्यालय में ही किया। देर रात तक भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलते रहे। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली, नगर परिषद सभापति राकेश पाठक, भाजपा जिला महामंत्री वेद प्रकाश खटीक, जिला मंत्री नंदलाल गुर्जर, पूर्व जिला महामंत्री कल्पेश चौधरी, प्रशांत मेवाड़ा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, पूर्व युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष आजाद शर्मा गोपाल डाड रामानुज सारस्वत साथ थे।

जनकपुरी मन्दिर को मिला बेस्ट मन्दिर का पुरस्कार

वर्षा रानी सेठी को मिला रत्नाकर एवार्ड, दीपिका जैन बिलाला बनी बालिका महाविद्यालय व छात्रावास की ट्रस्टी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर को श्रमण संस्कृति संस्थान व दिगम्बर जैन महिला समिति के तत्वावधान में वर्ष 2023 के पचास से भी अधिक मंदिरों में लगे धार्मिक शिक्षण शिविर में बेस्ट मन्दिर का स्थान प्राप्त हुआ है ।साथ ही वर्षा जैन सेठी को इष्टोपदेश में रत्नाकर पुरस्कार प्राप्त करने का सोभाग्य मिला जिसमे नगद राशी व प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। इधर जनकपुरी की ही दीपिका जैन बिलाला को श्री संत सुधा सागर बालिका महाविद्यालय व छात्रावास की ट्रस्टी बनने का सोभाग्य प्राप्त हुआ ।मन्दिर प्रबन्ध समिति व शिविर संयोजकों तथा रत्नाकर एवार्ड प्राप्त कर्ता एवम्‌प्रत्येक विषय में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त कर्ता का संस्थान के प्रमोद पहाड़िया, शीला ड्योडा, दर्शन बाकलीवाल, शालिनी जैन आदि पदाधिकारियों ने तोतुका सभागार में रविवार को आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान कर सम्मान किया ।

आचार्य विद्यासागर सर्वोदय ज्ञान पाठशाला कीर्ति नगर जयपुर के छात्रों ने किया कीर्ति नगर का नाम रोशन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर एवं श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल जयपुर और संयुक्त संभागों के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर जो कि 15 से 25 मई 2023 तक जयपुर के 50 मंदिरों में एक साथ चल रहा था उसका सामूहिक समापन आज भट्टारक जी की नसिया जयपुर में किया गया उसमें श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर कीर्ति नगर से द्वितीय भाग की छात्रा सुश्री प्रेयसी जैन सुपुत्री पवन नीतू जैन ने सर्वोच्च रत्नाकर अवार्ड प्राप्त किया साथ ही पाठशाला के छात्र विवान जैन पुत्र रॉबिन जैन एवं कैबोन जैन पुत्र प्रतीक जैन ने सभागार में तत्वार्थ सूत्र का वाचन करके सभी को आश्चर्य में डाल दिया इस प्रकार इन बच्चों ने कीर्ति नगर समाज का नाम समस्त जयपुर ही नहीं राजस्थान के इतिहास में रोशन किया ।इसके साथ ही प्रथम एवं द्वितीय आने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया अध्यापिका एवं संयोजकों को भी सम्मानित किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कांता सोगानी एवं आशा लुहाड़िया ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि की भूमिका निभाई। शिविर अध्यापिका पूनम तिलक एवं अनीता वेद ने कार्यक्रम में शिरकत की।

जन्मधरा पर गुरू के आगमन पर शिष्य ओर गांववासी ने अगवानी के साथ किया अभिनन्दन

जीवो व अहसायों की सेवा ही संसार से सबसे बड़ी सेवा है: प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया। सारण। जन्मधरा पर गुरू के पधारने पर शिष्य ने श्रध्दालूओ के साथ गुरू की अगवानी। सोमवार को सारण जन्मधरा श्री पुष्पावती गौशाला मे विराजमान उपप्रवर्तक अमृत मुनि डॉक्टर वरूण मुनि ने गांववासियों व श्रध्दालूओ के साथ संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकनमुनि महाराज, युवाप्रणेता महेशमुनि, बालयोगी अखिलेश मुनि आदि ठाणा के मांडा से सारण मे पधारने पर अगवानी करते हुये गुरू व संतो का अभिनन्दन किया। इस दौरान सुकनमुनि महाराज ने श्रध्दालूओ से कहा कि मानव को इस संसार के प्रत्येक जीव पर दया करनी चाहिए यही सच्चा मानव धर्म है। पर सेवा में जो सुख मिलता है वो कहीं ओर नहीं मिलने वाला। नर में ही नारायण का वास होता है। अगर व्यक्ति किसी जरूरतमंद, गरीब या असहाय की सेवा व उसकी मदद करता है तो वह ईश्वर की सेवा के समान संसार में औपचारिकता को छोड़कर हकीकत में मनुष्य अहसास तथा गौमाता की सेवा करेगा वह निश्चित उसका सुफल प्राप्त करेगा यही सच्चा मानव धर्म है। मुख बधिर जीवो ओर अहसायो की सेवा ही संसार मे बड़ी सेवा है। इस दौरान अमृत मुनि महाराज ने कहा कि संसार मे मात पिता ओर गुरू से बढ़कर दुनिया मे कुछ भी नही है। बच्छ राज पित्लिया, विमलचन्द गांधी, लालचंद गांधी, भगवतीलाल मोगरा, वैरागी मोहित जैनधर्मीचंद गुगलिया, हनुमंत सिह, मेघसिंह, हीरसिंह आदि अनेक जनों की उपस्थिति रही है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार का कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार द्वारा ग्रुप के 180 सदस्यों को द केरला स्टोरी पिक्चर दिखाई गई। ग्रुप अध्यक्ष,मोहन लाल गंगवाल ने बताया कि भट्टारकजी की नसिया में आयोजित चिकित्सा मीटिंग में आज एस एम एस अस्पताल की सीनियर प्रोफेसर डॉक्टर सरोज पुरोहित ने त्वचा रोग और स्किन केयर के संबंध में विस्तार से सदस्यों को जानकारी दी। प्रारंभ में ग्रुप अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि निकट भविष्य में 65 सदस्य अमरकंटक जाने वाले है। समारोह का दीप प्रज्वलन राकेश प्रभा जैन ने किया। राष्ट्रीय परामर्शक महेंद्र कुमार पाटनी ने आशीर्वचन में कहा कि ग्रुप देश का सबसे बड़ा ग्रुप है और निरंतर अच्छे-अच्छे कार्य करता रहता है। राष्ट्रीय परामर्शक एवं ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष नवीन सेन जैन ने सभी सदस्यों को अच्छे कार्यों के लिए बधाई प्रेषित की। जयपुर रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने फेडरेशन के तत्वावधान में 5 जून को पर्यावरण दिवस पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए सभी सदस्यों से निवेदन किया। रीजन कोषाध्यक्ष पारस जैन ने सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया। ग्रुप सचिव गिरीश जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया समारोह का रोचक संचालन श्रीमती शशी सेन जैन एवं श्रीमती मंजू बाकलीवाल ने किया।

घुटनों में दर्द के क्या कारण हैं, इसका क्या इलाज हो सकता है?

सही-सही बता दूं, आजकल दाल पकाते हुए उस पर आये झाग कोई नही उतारता, सीधे कुकर में दाल हल्दी नमक पानी डाला, ढक्कन बन्द किया और उतारकर तड़का लगाया और खाने बैठ गए। अगर किसी को कहो कि ये दाल पकने पर आए झाग उतारा करो तो उल्टे आपको ज्ञान मिलेगा कि बेवकूफ ये झाग यूरिक एसिड नही बढ़ाता बल्कि प्रोटीन होता है तो ठीक है भाई खा प्रोटीन और आर्थो तेल की मालिश कर,बाद में घुटने बदलने की सहूलियत तो डॉक्टर देने ही लगे हैं। दूसरा कारण घी मत खाओ, भाई घी खाने से तेरी धमनी में जम जाएगा और अटैक से मर लेगा तो ठीक है मत खा भाई रिफाइंड पीले अटैक से मत मर, घुटने के दर्द वाली आसान मौत मर। ये सुखद भी होती है। तीसरा स्विग्गी जोमैटो से मंगा मंगाकर जंक फूड खाओ,घर से बाहर निकलकर घूमने और सब्जी मंडी से सब्जी लाने वाले तो लोअर मिडिल क्लास लोग होते है। आप तो कार से सीधे जिम जाकर उल्टी सीधी कसरतें करो और जिम वाले के बताए प्रोटीन के डब्बो का सेवन कर डोले शोले बनाओ और वजन बढ़ाकर या घटाकर ऐसा कर लो कि घुटने त्राहि त्राहि करने लगें तो क्या हुआ मिडिल क्लास का ठप्पा लगने से तो बच ही गए और फिर मेडीक्लेम की मदद से घुटने तो बदल ही जाने है वो भी पांच सितारा हस्पताल में मिलने-जुलने वाले दोस्त रिश्तेदार भी रश्क करेंगे। क्या बात कितने महंगे हॉस्पिटल में घुटने बदलवाएं। उत्तर कड़वा जरूर है ,लेकिन दर्द से बचना है तो निगल लीजिये,सुखी रहोगे बस मिडिल क्लास और दकियानूसी होने का ठप्पा जरूर लग जायेगा। नियमित योग प्राणायाम क्रिया,एक्यूप्रेशर चिकित्सा,आयुर्वेद के नियमों का पालन हर रोग से बचाता है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अनेक रोगों की एक दवा है 'योग'

योग विज्ञान के बेहतरीन आसन में से एक है भेकासन. यह न सिर्फ मेटाबॉलिज्म को एक्टिवेट करता है, बल्कि आपके दिमाग को भी स्थिर रखने में भी मदद करता है यानी यह तन और मन के बीच संतुलन स्थापित करने में बेहद उपयोगी है. इसके निरंतर अभ्यास से एडियां, घुटने और टखने मजबूत होते हैं.

तन-मन से ऊर्जावान बनाता है भेकासन

सद्‌गुरु सिद्धार्थ
औलिया, योग विशेषज्ञ

भारत के महान योगियों ने जल और पृथ्वी, दोनों में समान रूप से रहने वाले प्राणी मेंढक को देखकर भी कई योगासनों की रचना की है, जैसे- मंडूकासन, भेकासन, अर्ध भेकासन आदि. इस कड़ी में आज हम भेकासन के बारे में जानेंगे.

'भेकासन' शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है. पहला शब्द है- भेक, जिसका अर्थ होता है मेंढक. जबकि दूसरे शब्द आसन का अर्थ होता है- बैठना. दोनों शब्दों का मिलाजुला अर्थ है, मेंढक की तरह बैठना. इसे फ्रॉग पोज भी कहते हैं, क्योंकि मंडूकासन की ही तरह भेकासन की भी अंतिम अवस्था में शरीर की आकृति मेंढक जैसी हो जाती है. यह आसन पेट के बल लेटकर किया जाता है. यह मंडूकासन और धनुरासन से काफी मिलता-जुलता है. हाफ फ्रॉग पोज या अर्द्धभेकासन/अर्द्ध-धनुरासन और एकपद भेकासन इसके दो अन्य रूप हैं. कम उम्र में, जब शरीर अत्यधिक लचीला होता है, तब से इसका अभ्यास करना अधिक आसान होता है. इसमें पीठ को पीछे की तरफ मोड़कर स्ट्रेच किया जाता है.

सावधानी

- गर्भावस्था, कंधे, पीठ या घुटने के दर्द में इसे करना वर्जित है.
- घुटने और लोअर बैक से जुड़ी समस्या होने पर भी भेकासन न करें.

ध्यान रखने वाली दो बातें

- भेकासन के अभ्यास के लिए सुबह का वक्त उत्तम है, लेकिन अगर आप शाम में कर रहे हैं, तो सुनिश्चित करें कि आपने भोजन कम से कम 4 से 6 घंटे पहले कर लिया हो.
- शौच के बाद जब पेट एकदम खाली हो, तभी अभ्यास करें.

आसन की विधि

पेट के बल इस प्रकार लेटें कि शरीर का ज्यादातर भार पेट पर आ जाये. दोनों पैरों के बीच थोड़ा फासला रखते हुए सांस छोड़ें और दोनों घुटनों को मोड़कर पीठ की तरफ लाएं. अब सांस भरते हुए दोनों हाथों से पैरों के पंजों के ऊपरी हिस्से को पकड़ें और एड़ियों को नितंबों पर टिका दें. छाती को आप जितना ऊपर उठायेंगे, हाथों से पैर के पंजों को पकड़ना उतना ही आसान हो जायेगा. कुछ सेकेंड सहज श्वास के साथ इस अवस्था में रहें. फिर सांस छोड़ते हुए पैरों को सामान्य अवस्था में ले आएं और पेट के बल ही कुछ देर लेटे रहें. जब इस आसन के अभ्यास में निपुण हो जाएं तो एड़ियों को नितंबों पर टिकाने की बजाय उन्हें कमर की बगल में जमीन से सटाये रखने पर जोर दें और पंजों के अगले भाग को हथेलियों से दबा दें.

(लेखक भारतीय योग एवं प्रबंधन संस्थान, मुरथल के संस्थापक हैं.)

आसन के मुख्य लाभ

- पेट, कमर के निचले हिस्से और नितंबों की चर्बी दूर होती है.
- लंबे अभ्यास से फ्लैट फुट की समस्या हल होती है.
- पैंक्रियाज पर जोर पड़ने के कारण पाचन-तंत्र मजबूत होता है और इंसुलिन स्राव भी नियमित रहता है.
- स्त्रियों के प्रजनन अंग सबल होते हैं.
- पूरे शरीर में लचीलापन और मांसपेशियों में कसाव पैदा होता है. वृद्धावस्था में भी कमर लचीली और मांसपेशियां मजबूत रहती हैं.
- पैरों, एड़ियों, घुटनों और जोड़ों के दर्द और कमर के निचले हिस्से की परेशानियां दूर होती हैं.
- नाभिप्रदेश पर अधिक जोर पड़ने के कारण ऊर्जा मूलाधार चक्र से ऊपर उठनी शुरू होती है, जिससे व्यक्ति अत्यधिक ऊर्जावान महसूस करता है. उसमें आध्यात्मिक ऊर्जा भी जगती है.
- सीना खुल जाता है और फेफड़ों को अधिक ऑक्सीजन मिलता है व सांस बेहतर ढंग से चलने लगती है.
- इसे करने पर शारीरिक संतुलन से किडनी के ऊपर स्थित एड्रेनल ग्लैंड या ग्रंथि सक्रिय हो जाती है.

फेडरेशन के तत्वावधान में मानव सेवा का सराहनीय कार्य

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। रीजन के सभी सोशल ग्रुप, फेडरेशन पूर्ण सक्रियता से मानव सेवा के इस महाअभियान में सहभागी बन कर इंदौर गौरव दिवस को सफल बनाया। आज सभी डोनर को ब्लड टेस्ट रिपोर्ट प्राप्त हो इस विषय पर प्रशासन की सहमति मिली ।आज ग्रुप सदस्यों में बल्ड डोनेशन के लिए भारी उत्साह था इसमें फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, उपाध्यक्ष राजीव जैन बंटी भैया गिरीश रारा ब्रिलियंट ग्रुप के संजय जैन, पिंकेश जैन, रितेश पाटनी आशीष जैन किर्तिपाड्या बिपुल बाझंल आदी फेडरेशन और ग्रुप सदस्यों ने उत्साह पूर्वक बल्ड डोनेशन कर मानव सेवा का उत्कर्ष उदहारण पेश किया। हमारे समाज के अधिकतम ग्रुप साथियों ने उदासीन आश्रम ट्रस्ट से ही रक्तदान किया।